ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-01-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-01-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-01-15	2022-01-16	2022-01-17	2022-01-18	2022-01-19
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	8.0	8.0	9.0	9.0	9.0
न्यूनतम तापमान(से.)	-1.0	0.0	2.0	3.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	80	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	55	55	60	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	330	320	320	300	300
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	4	5	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 8.0 से 9.0 व -1.0 से 4.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। 14 व 15 जनवरी को पहाड़ी इलाकों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की भी संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 19 से 25 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम तापमान सामान्य से कम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल के लिए पिछले हफ्ते एनडीवीआई 0.2-0.5 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है तथा एसपीआई मैप 16 दिसम्बर से 12 जनवरी तक अधिक नमी की स्थिति को दर्शाता है। वर्तमान मौसम की स्थिति स्क्लेरोटिनियल रॉट के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं। यह किसी भी फसल के पौधों में, फूली हुई रोएदार वृद्धि जैसा, दिखाई दे सकता है, जिससे पौधे सूख जाते हैं। इसलिए संक्रमित पौधों को हटाकर जला देना चाहिए। पहाड़ी इलाकों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की भी संभावना है, इसलिए सरसों, गेहूं और सब्जी वर्गीय फसलों जैसे टमाटर और आलू को पाले से बचाने के लिए, किसान भाई पलवार का उपयोग भी कर सकते है और मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए स्प्रिंकलर सिंचाई भी दी जा सकती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। 14 व 15 जनवरी को पहाड़ी इलाकों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की भी संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	वर्तमान मौसम की स्थिति स्क्लेरोटिनियल सड़ान्ध के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं। सरसों में स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें। 700 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 700 मिली प्रोपीकोनाजोल को 700 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से फूलों पर स्प्रे करें। 10 प्रतिशत से अधिक संक्रमित पौधों की स्थिति में पत्तियों और तनों पर 10-15 दिनों के अंतराल पर 2-3 तीन छिड़काव करें।
बरसीम	बरसीम में स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें। 700 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 700 मिली प्रोपीकोनाजोल को 700 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से फूलों पर स्प्रे करें। 10 प्रतिशत से अधिक संक्रमित पौधों की स्थिति में पत्तियों और तनों पर 10-15 दिनों के अंतराल पर 2-3 तीन छिड़काव करें।
लहसुन	लहसून की पत्तियाँ पीली पड़ने की स्थिति में, टेबुकोनाजोल का 1 मिली/लीटर+प्रोफेनोफोस का 1 मिली/ लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
सरसों	सरसों में माहुँ का प्रकोप बढ़ने पर थायमेथोक्जाम 25 डब्लू जी की 50-100 ग्रा0 मात्रा का 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब 75 प्रतिशत डब्लू0पी0 का 2.5 ग्राम/ली0 की दर से छिड़काव करे।
आलू	आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु, मैनकोजेब जैसे फफूंदनाशक का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव मौसाम साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	यदि गर्भवती गायों में परजीवी घुन/जूँ या कीलनी का प्रकोप हो तो आरएक्स बोटॉक्स का 15 मिली लेकर 7 लीटर पानी मे मिलाकर सूती कपड़े से लगाए।
भेंस	भैंस के उपर छोटी-छोटी मक्खी बहुत अधिक लगने पर, 100 मिली नारियल के तेल में 10 ग्राम पिसी कपूर मिलाकर फेंटे, फिर दिन में चार बार लगाए। इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
चूज़ा	चुजे ठंड के प्रति बहुत संवेदनशील होते है तथा उन्हे उचित भोजन प्रदान करें । उनके आवास में तापमान का अनुरक्षण करते रहे तथा गर्मी का उचित स्रोत बनाए रखें